पु॰ना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Std-VI Subject-Hindi
Summative Assessment Assignment-1 (2021-22)

(अपठित-विभाग)

प्रश्न-1 अपठित गदयांश और पदयांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) समय बहुत मूल्यावान होता है। यह बीत जाए तो लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करके भी इसे वापस नहीं लाया जा सकता। इस संसार में जिसने भी समय की कद्र की है, उसने सुख के साथ जीवन गुजारा है और जिसने समय की बर्बादी की, वह खुद ही बर्बाद हो गया है। समय का मूल्य उस खिलाड़ी से पूछिए, जो सेकंड के सौवे हिस्से से पदक चूक गया हो। स्टेशन पर खड़ी रेलगाड़ी एक मिनट के विलंब से छूट जाती है। आजकल तो कई विद्यालयों में देरी से आने पर विद्यालय में प्रवेश भी नहीं करने दिया जाता। छात्रों को तो समय का मूल्य और भी अच्छी तरह समझ लेना चाहिए, क्योंकि इस जीवन की कद्र करके वे अपने जीवन के लक्ष्य को पा सकते हैं।

प्रश्नोत्तर

(1) गद्यांश में किसे और क्यों मूल्यवाने बताया गया है?

उत्तर- गद्यांश में समय को मूल्यवान बताया गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि यदि वह बीत जाए तो इसे लाखों करोड़ों रुपये खर्च करके भी बीता हुआ समय वापिस नहीं हो सकता है।

(2) समय को महत्त्व देने वालों का जीवन कैसा होगा?

उत्तर- समय के महत्त्व को समझने वालों को जीवन सुखमय होता है। वे अपना जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत करते हैं।

(3) कौन व्यक्ति स्वयं बर्बाद हो जाता है?

उत्तर- समय को व्यर्थ में बर्बाद करने वाला व्यक्ति स्वयं बर्बाद हो जाता है।

(4) "समय का हर पल कीमती होता है। इस कथन के लिए गद्यांश में कौन-सा उदाहरण पेश किया गया है?

उत्तर- इस कथन के लिए गद्यांश में खिलाड़ी का उदाहरण पेश किया गया है, जो सेकंड के सौवें हिस्से के अंतर से पदक नहीं जीत सका था।

(5) इस गद्यांश से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर- इस गद्यांश से हमें सीख मिलती है कि हमें सदैव समय के मूल्य को समझना चाहिए और अपने जीवन में समय को व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए|

(6) उपरोक्त गद्यांश में कीमती किसे माना गया है?

(i) जीवन को (ii) अनुशासन को
(iii) समय को (iv) खेल को

(7) किसने सुख के साथ जीवन गुजारा है |

(i) जिसने दुनिया में खूब धन कमाया (ii) जिसने मीठी बाणी बोली
(iii) जिसने समय की कद्र की (iv) जिसने समय को बर्बाद किया

(8) सेकंड के सौवें हिस्से से पदक कौन चूक जाता है|

(i) खिलाड़ी जिसने मामूली अंतर से पदक गंवा दिया हो
(ii) वह यात्री जिसकी ट्रेन छूट गई

(iii) उपर्युक्त दोनों लोग
(iv) इनमें कोई नहीं

(9) छात्रों को समय की कद्र करने से क्या लाभ होता है?
(i) वे स्वस्थ हो जाते हैं।
(ii) वे मेधावी बन जाते हैं।
(iii) वे सभी विषयों में 100% अंक प्राप्त करते हैं।
(iv) वे लोकप्रिय हो जाते हैं।

(10) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा|
(i) समय का मूल्य (ii) जीवन का लक्ष्य
(iii) विद्यार्थी जीवन में समय का महत्त्व (iv) अनुशासन

2) बढ़ती जनसंख्या ने अनेक प्रकार की समस्याओं को जन्म दिया है-रोटी, कपड़ा, मकान की कमी, -बेरोजगारी, निरक्षता, कृषि एवं उद्योगों के उत्पादनों में कमी आदि। हम जितनी अधिक उन्नति करते हैं या विकास करते हैं, जनसंख्या उसके अनुपात में बढ़ जाती है। बढ़ती जनसंख्या के समक्ष हमारा विकास बहुत कम रह जाता है और विकास कार्य दिखाई नहीं देते। बढ़ती जनसंख्या के समक्ष सभी सरकारी प्रयास असफल दिखाई देते हैं। कृषि उत्पादन और औद्योगिक विकास बढ़ती जनसंख्या के सामने नगण्य सिद्ध हो रहे हैं। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए जनसंख्या वृद्धि पर नियत्रंण की अति आवश्यकता है। इसके बिना विकास के लिए किए गए सभी प्रकार के प्रयत्न अधूरे रह जाएँगे।

प्रश्नोत्तर

(1) बढ़ती जनसंख्या ने किसे जन्म दिया है?
उत्तर- बढ़ती जनसंख्या ने कई प्रकार की समस्याओं को जन्म दिया है। इनमें रोटी, कपड़ा, मकान की कमी, बेरोजगारी, निरक्षता, कृषि एवं उद्योगों के उत्पादनों में कमी आदि।

(2) विकास कार्य क्यों नहीं दिखाई देते ?
उत्तर- जनसंख्या वृद्धि के कारण हमें विकास कार्य नहीं दिखाई देते हैं।

(3) बढ़ती जनसंख्या के सामने कौन से प्रयास असफल दिखाई देते हैं ?
उत्तर- बढ़ती जनसंख्या के सामने सभी सरकारी प्रयास असफल दिखाई देते हैं।

(4) "नगण्य' शब्द का सही अर्थ क्या है?
उत्तर- 'नगण्य' शब्द का सही अर्थ है अपर्याप्त।

(5) गदयांश का उचित शीर्षक लिखिए |
उत्तर- " बढ़ती जनसंख्या "

(6) बढ़ती जनसंख्या से किसमें कमी आई है?
(i) बेरोजगारी (ii) गरीबी
(iii) निरक्षरता **(iv) कृषि एवं उद्योगों के उत्पादनों में**

(7) जनसंख्या बढ़ने से किन चीजों में बढ़ोत्तरी हुई है?
(i) लोगों के कार्य करने की क्षमता में (ii) शिक्षा में
(iii) गरीबी एवं बेरोजगारी में (iv) लोगों के स्वास्थ्य में

(8) हमारा विकास कार्य दिखाई नहीं देता, क्योंकि
(i) विकास के अनुपात में जनसंख्या वृधि अधिक है।
(ii) जनसंख्या वृद्धि कम हैं।

(iii) उपर्युक्त दोनों ।
(iv) इनमें से कोई नहीं

3) संसार में सबसे मूल्यावान वस्तु समय है क्योंकि दुनिया की अधिकांश वस्तुओं को घटाया-बढ़ाया जा सकता है, पर समय का एक क्षण भी बढ़ा पाना व्यक्ति के बस में नहीं है। समय के बीत जाने पर व्यक्ति के पास पछतावे के अलावा कुछ नहीं होता। विद्यार्थी के लिए तो समय का और भी अधिक महत्त्व है। विद्यार्थी जीवन का उद्देश्य है शिक्षा प्राप्त करना। समय के उपयोग से ही शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। जो विद्यार्थी अपना बहुमूल्य समय खेल-कूद, मौज-मस्ती तथा आलस्य में खो देते हैं वे जीवन भर पछताते रहते हैं, क्योंकि वे अच्छी शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं और जीवन में उन्नति नहीं कर पाते। मनुष्य का कर्तव्य है कि जो क्षण बीत गए हैं, उनकी चिंता करने के बजाय जो अब हमारे सामने हैं, उसका सदुपयोग करें।

प्रश्नोत्तर

(1) संसार में सबसे मूल्यवान वस्तु क्या है?
उत्तर- संसार में सबसे मूल्यवान समय है।

(2) व्यक्ति के बस में क्या नहीं है?
उत्तर- समय के एक भी क्षण को बढ़ा पाना व्यक्ति के बस में नहीं है।

(3) किस प्रकार के विद्यार्थी पछताते हैं?
उत्तर- जो विद्यार्थी अपना समय खेल-कूद, मौज-मस्ती एवं आलस में बिता देते हैं, वे पछताते हैं।

(4) मनुष्य का क्या कर्तव्य है?
उत्तर- मनुष्य का कर्तव्य है कि बीते हुए समय पर विचार न करके जो समय अपने पास है उसका सदुपयोग करे।

(5) उपयुक्त गदयांश का उचित शीर्षक लिखिए |
उत्तर- " समय का महत्व "

(6) समय को सबसे अमूल्य वस्तु क्यों कहा गया है?
(i) इसका एकक्षण भी घटाया-बढ़ाया नहीं जा सकता
(ii) सम्य व्यक्ति के वश में नहीं है।
(iii) समय ही व्यक्ति के जीवन को बदल सकता है
(iv) मनुष्य उस समय की गति को नहीं रोक सकता

(7) विद्यार्थी जीवन का उद्देश्य है|
(i) जीवन को सुखी बनाना
(ii) गुरुओं का आदेश मानना
(iii) व्यक्ति के जीवन में समय का महत्त्व
(iv) शिक्षा प्राप्त करना

(8) विद्यार्थी जीवन भर क्यों पछताते रहते हैं ?
(i) क्योंकि वे आलसी होते हैं
(ii) जो अपना कीमती समय मौज मस्ती और आलस्य में खो देते हैं।
(iii) जो ज्ञान प्राप्त नहीं करते।
(iv) जो विद्यार्थी माता-पिता और गुरुओं की आज्ञा का पालन नहीं करते

(9) संमय के संबंध में व्यक्ति का क्या कर्तव्य बताया गया है?
(i) परिश्रम करें
(ii) मन लगाकर पढ़ाई करें
(iii) बीते समय के बारे में पश्चाताप न करके वर्तमान समय का सदुपयोग करें
(iv) असफल होने पर निराश न हों, पुनः प्रयास करें

(10) "मूल्यवान " शब्द का समान अर्थ लिखिए |

(i) कीमती (ii) समय

(iii) विद्यार्थी (iv) अमूल्य

(4)

तेरी पाँखों में नूतन बल,
कंठों में उबला गीत तरल,
तू कैसे हाय, हुआ बंदी, वन-वन के कोमल कलाकार।
क्या भूल गया वह हरियाली!
अरुणोदय की कोमल लाली?
मनमाना फुर-फुर उड़ जाना, नीले अंबर के आर-पार!
क्या भूल गया बंदी हो के
सुकुमार समीरण के झोंके
जिनसे होकर तू पुलकाकुल बरसा देता था स्वर हज़ार?
रे, स्वर्ण-सदन में बंदी बन
यह दूध-भात का मृदु भोजन
तुझको कैसे भा जाता है, तज कर कुंजों का फलाहार!
तू मुक्त अभी हो सकता है,
अरुणोदय में खो सकता है,
झटका देकर के तोड़ उसे, पिंजरे को कर यदि तार-तार!
पंछी! पिंजरे के तोड़ द्वार।

प्रश्नोत्तर

(1) कवि को किस बात का दुख है?

उत्तर- कवि पक्षी के पिंजरे में कैद हो जाने पर दुखी है क्योंकि उसने पक्षी को सदैव खुले आसमान में उड़ते और मधुर गीत गाते सुना है और अब वह पिंजरे में कैद मौन हो गया है।

(2) कवि पंछी को क्या-क्या याद दिला रहा है?

उत्तर- प्रकृति में फैली हरियाली, सुबह-सुबह चंद्रमा के उदित होने पर चारों ओर फैली लालिमा, नीले अंबर के आर-पार उड़ने का आनंद तथा हवा के मधुर झोंकों की याद कवि पंछी को दिला रहा है।

(3) कवि पंछी को किस बात की उम्मीद दिलाकर आगे बढ़ने को कह रहा है?

उत्तर- कवि वनों के सुख की याद दिलाकर पक्षी को यह उम्मीद दिला रहा है कि यदि वह चाहे तो मुक्त होकर सुबह की लालिमा में खो सकता है। लेकिन इसे प्राप्त करने के लिए उसे साहस के साथ पिंजरे का द्वार तोड़ना होगा।

(4) "अंबर " शब्द का समान शब्द लिखिए |

उत्तर- " आकाश " और " नभ "

(5) पदयांश का उचित शीर्षक लिखिए |

उत्तर- " आज़ादी का महत्व "

(6) " पंछी " शब्द का समान अर्थ लिखिए |

उत्तर- पक्षी , खग

(7) "स्वर" शब्द का समान शब्द लिखिए |

उत्तर- " आवाज "

(8) तेरी पाँखों में नूतन बल, ________ उबला गीत तरल|

(9) कंठो में कैसा गीत उमड़ा हुआ है |

उत्तर- कंठो में तरल गीत उमड़ा हुआ है |
(10) तू मुक्त अभी हो सकता है, अरुणोदय में खो सकता है|

(5) आज की यह सुबह है बहुत प्रीतिकर,
कह रही उठ नया काम कर, नाम कर।
जो अधूरी रही वह सुबह कल गई,
मान ले अब यही कुछ कमी रह गई,
ले नई ताज़गी यह सुबह आ गई,
कह रही-मीत उठ, बात कर कुछ नई,
ओ सृजन-दूत तू, शक्ति-संभूत तू,
क्यों खड़ा राह में अश्व यों थाम कर।
दूसरों की बनाई डगर छोड़ दे,
तू नई राह पर कारवाँ मोड़ दे,
फोड़ दे तू शिलाएँ चुनौती भरी
क्रूर अवरोध को निष्करुण तोड़ दे,
व्यर्थ जाने न पाए महापर्व यह
जो स्वयं आ गया आज तेरी डगर।

(1) आज की सुबह क्या पैगाम दे रही है?
उत्तर- आज की सुबह बहुत ही सुखकर है। वह पैगाम दे रही है कि कुछ नया काम करो और कुछ ऐसा करो जिससे तुम्हारा नाम हो।
(2) ताज़गी भरी सुबह मानव से क्या कह रही है?
उत्तर- ताज़गी भरी सुबह मानव से कह रही है कि कल की अधूरी सुबह का ख्याल छोड़ दो। आज की यह सुबह तुम्हें नया पैगाम दे रही है। अपनी सृजनात्मकता को जगाकर आगे बढ़ो।
(3) कवि किस चुनौती को स्वीकारने की बात कर रहा है?
उत्तर- कवि दूसरों की बनाई मंज़िल को त्यागकर स्वयं अपने द्वारा बनाई डगर पर चलने को कह रहा है। कवि हाथ में आए अवसर को व्यर्थ न गँवाने की सलाह दे रहा है। हाथ आए अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए कवि मानव को उकसा रहा है।
(4) “ राह “शब्द का समान अर्थ लिखिए |
उत्तर- “ रास्ता “ , “ डगर “
(5) “ नई “ शब्द का विलोम शब्द लिखिए |
उत्तर- “ पुरानी “

(व्याकरण-विभाग)

➢ संज्ञा

1. सदैव एकवचन में कौनसी संज्ञा होती है?
   (a) भाव वाचक (b) व्यक्ति वाचक
   (c) जाति वाचक (d) ये सभी
2. जातिवाचक संज्ञा का उपभेद है?
   (a) व्यक्ति वाचक **(b) द्रव्य वाचक**
   (c) भाव वाचक (d) ये सभी
3. महामना जी ने काशी हिंदू विश्व विद्यालय की स्थापना की रेखांकित पद में संज्ञा का नाम बताइए|
   (a) जातिवाचक **(b) व्यक्ति वाचक**
   (c) भाव वाचक (d) समूह वाचक
4. 'चिडिया' शब्द में कौनसी संज्ञा है बताइए|
   (a) व्यक्तिवाचक (b) समूहवाचक
   (c) भाववाचक **(d) जातिवाचक**
5. 'लकडी' शब्द में संज्ञा बताइए|
   (a) समूहवाचक (b) जातिवाचक
   (c) द्रव्यवाचक (d) इनमे से कोई नहीं
6. 'सोना-तांबा' शब्द में संज्ञा बताइए|
   (a) समूहवाचक (b) जातिवाचक
   (c) द्रव्यवाचक (d) व्यक्तिवाचक
7. देश मे अनेक विभीषण पैदा हो गए हैं रेखांकित पद में संज्ञा का नाम बताइए|
   (a) भाव वाचक **(b) व्यक्तिवाचक**
   (c) जातिवाचक (d) ब व स दोनों
8. बालको! अच्छाइयों को अपनाना सीखो रेखांकित पद में संज्ञा का नाम बताइए|
   (a) भाववाचक (b) जातिवाचक
   (c) व्यक्तिवाचक (d) अव ब दोनों
9. सोहन किसी की बुराई नहीं करता रेखांकित पद में संज्ञा का नाम बताइए|
   (a) व्यक्ति वाचक **(ब) भाव वाचक**
   (c) जाति वाचक (d) समूह वाचक
10. 'ऊँचाई' शब्द में संज्ञा बताइए|
    (a) व्यक्तिवाचक (b) समूहवाचक
    (c) जातिवाचक **(d) भाववाचक**
11. निम्नलिखित में कौनसा शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा है?
    (a) कक्षा (b) विद्यार्थी
    (c) मंत्री **(d) अशोक**
12. गुरु जी का व्याकरण आज भी प्रामाणिक है रेखांकित पद में संज्ञा का नाम बताइए|
    (a) व्यक्ति वाचक (b) जाति वाचक
    (c) भाव वाचक (d) ये सभी
13. जिस शब्द से किसी वस्तु के गुण, दोष, कार्य, अवस्था इत्यादि का बोध हो, उसे कहते है?
    (a) व्यक्ति वाचक संज्ञा **(b) भाववाचक संज्ञा**
    (c) जातिवाचक संज्ञा (d) समूह वाचक

14. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा नहीं है?

(a) महाभारत (b) पटना

(c) औरत (c) यमुना

➢ कारक

(1) अध्यापक ने पढ़ाया। उत्तर- कर्ता कारक
(2) कृष्ण ने कंस को मारा। उत्तर- कर्म कारक
(3) बच्चा बोतल से दूध पीता है। उत्तर- करण कारक
(4) वे मेरे लिए उपहार लाये हैं। उत्तर- सम्प्रदान कारक
(5) हे ईश्वर ! रक्षा करो। उत्तर- सम्बोधन कारक
(6) सेना के जवान आ रहे हैं। उत्तर- संबंध कारक
(7) कलम से पत्र लिख है। उत्तर- करण कारक
(8) वह साँप से डरता है। उत्तर- अपादान कारक
(9) कृष्ण ने सुदामा की सहायता की। उत्तर- कर्ता कारक
(10) सुनील पुस्तक से कहानी पढ़ता है। उत्तर- करण कारक
(11) पेड़ से पत्ते गिरे। उत्तर- अपादान कारक
(12) यह सुरेश का भाई है। उत्तर- संबंध कारक
(13) बड़ों को सम्मान दो। उत्तर- कर्म कारक
(14) हे राम ! यह क्या हो गया। उत्तर- सम्बोधन कारक
(15) तुम्हारे घर पर चार आदमी है। उत्तर- अधिकरण कारक
(16) यह सुनील की किताब है। उत्तर- संबंध कारक
(17) दूल्हा घोड़े से गिर पड़ा। उत्तर- अपादान कारक
(18) माँ बच्चे को सुला रही है। उत्तर- कर्म कारक
(19) सोहन रमेश को पुस्तक देता है। उत्तर- सम्प्रदान कारक
(20) सीतापुर , मोहन का गाँव है। उत्तर- संबंध कारक
(21) सेना के जवान आ रहे हैं। उत्तर- संबंध कारक
(22) बच्चा बोतल से दूध पीता है। उत्तर- करण कारक
(23) हे राम ! यह क्या हो गया। उत्तर- सम्बोधन कारक

➢ नीचे दिए गए वाक्यों के प्रकार लिखिए।

1) आप सब इधर देखिए। - आज्ञावाचक
2) यदि ट्रैफिक में न फँसा होता तो जल्दी आ जाता।– संकेतवाचक
3) तुम कौन हो ?- प्रश्नवाचक
4) धरती गोल है।– विधानवाचक
5) यहाँ गाड़ी खड़ी करना मना है। - निषेधवाचक
6) शायद मैं कल दिल्ली जाऊँगा।– संदेहवाचक
7) हे प्रभु ! सबका कल्याण हो।– विस्म्यादिवाचक
8) अहा ! कितना सुंदर उपवन है।- विस्म्यादिवाचक
9) उपवन में पक्षी कलरव कर रहे है।– विधानवाचक
10) ऐसी सर्दी में बाहर मत जाओ।– आज्ञावाचक
11) पत्रोत्तर अवश्य देना।– आज्ञावाचक

12) संभवत: इस साल वर्षा हो।– इच्छावाचक
13) वाह ! भारत ने विश्वकप जीत लिया।- विस्म्यादिवाचक
14) ईश्वर आपको लंबी उम्र दे।- इच्छावाचक
15) उसने झूठी गवाही न दी होती तो गोपी जेल से बाहर होता।-संकेतवाचक
16) चिड़िया चहचहा रही है।– विधानवाचक
17) अनुभा चित्र नहीं बनाती है।– निषेधवाचक
18) मेरे लिए एक कप कोफ़ी लाना।– आज्ञावाचक
19) क्या वह आगरा जाएगी ?- प्रश्नवाचक
20) आप दीर्धायु हो।– इच्छावाचक

➢ उपसर्ग से शब्द बनाए |

अति	अतिशय, अतिक्रमण, अतिवृष्टि, अतिशीघ्र, अत्यन्त, अत्याचार
अधि	अधिनियम, अधिनायक, अधिकृत, अधिकरण, अध्यक्ष, अध्ययन
अनु	अनुचर, अनुज, अनुकरण, अनुकूल, अनुनाद, अनुभव
अप	अपयश, अपशब्द, अपकार, अपकीर्ति, अपव्यय, अपशकुन
अभि	अभिवादन, अभिमान,अभिनव, अभिनय, अभिभाषण, अभियोग
अव	अवगुण, अवनति, अवगति, अवशेष, अवज्ञा, अवरोहण
आ	आघात, आरक्षण, आमरण, आगमन, आजीवन, आजन्म
उत्	उत्पत्ति, उत्कंठा, उत्पीड़न, उत्कृष्ट, उन्नत, उल्लेख
उप	उपभोग, उपवन, उपमन्त्री, उपयोग, उपनाम, उपहार
दुर्	दुर्दशा, दुराग्रह, दुर्गुण, दुराचार, दुरवस्था, दुरुपयोग
दुस्	दुश्चिन्त, दुश्शासन, दुष्कर, दुष्कर्म, दुस्साहस, दुस्साध्य
नि	निडर, निगम, निवास, निषेध, निबन्ध, निषिद्ध
परि	परिक्रमा, परिवार, परिपूर्ण, परिश्रम, परीक्षा, पर्याप्त
प्रति	प्रतिदिन, प्रत्येक, प्रतिकूल, प्रतिहिंसा, प्रतिरूप, प्रतिध्वनि
वि	विजय, विहार, विख्यात, व्याधि, व्यसन, व्यवहार

➢ प्रत्यय से शब्द बनाए |

अक	लेखक, पाठक, कारक, गायक
अन	पालन, सहन, नयन, चरण
अना	घटना, तुलना, वन्दना, वेदना
अनीय	माननीय, रमणीय, दर्शनीय, पूजनीय, श्रवणीय
आ	भूला, जागा, पूजा, इच्छा, भिक्षा
आई	लड़ाई, सिलाई, पढ़ाई, चढ़ाई
आन	उड़ान, मिलान, दौड़ान
इ	हरि, गिरि, दाशरथि, माली
इया	छलिया, जड़िया, बढ़िया, घटिया
इत	पठित, व्यथित, फलित, पुष्पित

➢ विशेषण अभ्यास प्रश्न

1. विशेषण के भेदों का सही समूह है –

(a) व्यक्तिवाचक, गुणवाचक, संबंधवाचक, सार्वनामिक
(b) गुणवाचक, परिणामवाचक, संख्यावाचक, भाववाचक
(c) व्यक्तिवाचक, संबंधवाचक, निश्चयवाचक, निजवाचक
(d) गुणवाचक, परिमाणवाचक, संख्यावाचक, सार्वनामिक ✔

2. 'उत्कर्ष' से विशेषण क्या बनेगा ?
(a) अपकर्ष (b) अवकर्ष
(c) उत्कृष्ट ✔ (d) अधोकृष्ट

3. विशेषण के कितने भेद माने गए हैं |
(a) चार ✔ (b) तीन
(c) पाँच (d) छह

4. निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य में विशेषण सम्बन्धी अशुद्धि नहीं है, वह कौन-सा है?
(a) उसमें एक गोपनीय रहस्य है।
(b) आप जैसा अच्छा सज्जन कौन होगा।
(c) कहीं से खूब ठण्डा बर्फ लाओ।
(d) वहाँ ज्वर की सर्वोत्कृष्ट चिकित्सा होती है। ✔

5. विशेष्य किसे कहते हैं –
(a) जो विशेषता बताई जाए
(b) जिसकी विशेषता बताई जाए ✔
(c) जो विशेषता बताए
(d) इनमें से कोई नहीं

6. 'आलस्य' संज्ञा का विशेषण रूप क्या है?
(a) आलस (b) अलसता
(c) आलसी ✔ (d) आलसीपन

7. संज्ञा या सर्वनाम के गुण, आकार, रंग, दशा, काल और स्थान का बोध करानेवाले विशेषण हैं |
(a) परिमाणवाचक (b) गुणवाचक ✔
(c) संख्यावाचक (d) सार्वनामिक

8. 'शक्ति' शब्द से बननेवाला विशेषण कौनसा नहीं है?
(a) शक्तिशाली (b) शाक्त
(c) शक्तिमान (d) शक्तियाँ ✔

9. 'दानवीर कर्ण का सभी स्मरण करते हैं।' वाक्य का 'दानवीर' शब्द कौनसा विशेषण है?
(a) परिमाण वाचक (b) गुणवाचक ✔
(c) संख्यावाचक (d) सार्वनामिक

10. निम्नलिखित शब्दों में कौनसा शब्द विशेषण है?
(a) सच्चा ✔ (b) शीतलता
(c) नम्रता (d) देवत्व

11. अच्छा-बुरा, सुगंधित, उत्तरी-पूर्वी, प्राचीन आदि विशेषण किस प्रकार के हैं|

(a) परिमाणवाचक
(b) संख्यावाचक
(c) गुणवाचक ✔
(d) स्थानवाचक

12. 'मानव' शब्द से विशेषण बनेगा|

(a) मनुष्य
(b) मानवीकरण
(c) मानवता
(d) मानवीय ✔

13. 'आदर' शब्द से विशेषण बनेगा –

(a) आदरकारी
(b) आदरपूर्वक
(c) आदरणीय ✔
(d) इनमें से कोई नहीं

14. 'पाणिनि' का विशेषण क्या होगा?

(a) पाणनीय
(b) पाणिनीय ✔
(c) पाणीनी
(d) पाणिनी

15. इनमें से गुणवाचक विशेषण कौन-सा है ?

(a) चौगुना
(b) नया ✔
(c) तीन
(d) कुछ

(साहित्य-विभाग)

➢ बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(1) चिड़िया आनंदपूर्वक क्या खाती है?

(i) दूध भरे गेहूँ के दाने
(ii) दूध भरे मक्का के दाने
(iii) दूध भरे ज्वार के दाने
(iv) दूध भरे धान

(2) चिड़िया के पंख के रंग कैसे हैं?

(i) लाल
(ii) पीले
(iii) नीले
(iv) काले

(3) चिड़िया को पसंद है-

(i) फल
(ii) सब्ज़ी
(iii) अनाज़ के दाने
(iv) मिठाई

(4) चिड़िया किसके लिए गाती है?

(i) नदियों के लिए
(ii) संगीत प्रेमियों के लिए
(iii) जंगल के लिए।
(iv) अपने मित्र के लिए

(5) चिड़िया को किन चीज़ों से प्यार है?

(i) नदी से
(ii) जंगल से
(iii) अन्न से
(iv) उपर्युक्त सभी

(6) "बचपन' पाठ किसकी रचना है-

(i) प्रेमचंद
(ii) रवींद्रनाथ टैगोर
(iii) महादेवी वर्मा
(iv) कृष्णा सोबती

(7) लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या काम करती थी?

(i) वह विद्यालय जाती थी।
(ii) वह पौधों की देख-रेख करती थी।
(iii) वह नृत्य करती थी।
(iv) वह अपने मोजे व जूते पॉलिश करती थी

(8) लेखिका का जन्म किस सदी में हुआ था?

(i) 18वीं सदी
(ii) 20वीं सदी
(iii) 21वीं सदी
(iv) 22वीं सदी

(9) पहले गीत-संगीत सुनने के क्या साधन थे?

(i) रेडियो (ii) टेलीविज़न

(iii) ग्रामोफ़ोन (iv) सी० डी० प्लेयर

(10) हर शनिवार लेखिका को क्या पीना पड़ता था?

(i) घी **(ii) ऑलिव ऑयल**

(iii) सरसों तेल (iv) नारियल तेल

(11) चिड़िया ने अंडे कहाँ दिए थे?

(i) छत पर **(ii) कार्निस पर**

(iii) खिड़की पर (iv) पेड़ पर

(12) केशव और श्यामा ने चिड़ियों के खाने के लिए क्या बिखेरा?

(i) गेहूँ (ii) मक्का

(iii) चावल (iv) जौ

(13) चाँद से गप्पें कौन लड़ा रहा है?

(i) लड़का (ii) तारे

(iii) लड़की (iv) आसमान

(14) चाँद को कैसी बीमारी है?

(i) घटने की (ii) बढ़ने की

(iii) दोनों की (iv) इनमें से कोई नहीं

(15) बालिका ने चाँद को क्या बीमारी बताई है?

(i) क्रोध करने की (ii) लाल-पीला होने की

(iii) घटने-बढ़ने की (iv) भूलने की

(16) अक्षरों की खोज का सिलसिला लगभग कब शुरू हुआ?

(i) एक हजार साल पहले (ii) दस हजार साल पहले

(iii) छह हजार साल पहले (iv) दो हजार साल पहले

(17) धरती कितने साल पुरानी है?

(i) चार अरब साल **(ii) पाँच अरब साल**

(iii) तीन अरब साल (iv) छह हजार साल

(18) गाँवों का विकास कितने वर्ष पूर्व हुआ?

(i) आठ हजार (ii) बारह हज़ार

(iii) छह हज़ार **(iv) दस हज़ार**

(19) किस कमी के कारण मंगल ग्रहवासी अंतरिक्ष यान छोड़ने में असमर्थ थे?

(i) ऊर्जा की (ii) यंत्रों की

(iii) तकनीकी की (iv) ईंधन की

(20) मंगल ग्रह के निवासी जमीन के नीचे किसके सहारे रहते थे?

(i) रोशनी के सहारे (ii) पानी के सहारे

(iii) यंत्रों के सहारे (iv) ईंधन के सहारे

(21) 'साथी हाथ बढ़ाना' गीत के गीतकार कौन हैं?

(i) विष्णु प्रभाकर (ii) दिलीप एम. साल्वी

(iii) साहिर लुधियानवी (iv) सुमित्रानंदन पंत

(22) किसके सहारे इंसान अपना भाग्य बना सकता है-

(i) धन के (ii) खेल के

(iii) मेहनत के (iv) किस्मत के

(23) गीतकार कहाँ राहें पैदा करने की बात कह रहा है?

(i) समुद्र में
(ii) हवा में
(iii) वन में
(iv) चट्टानों में

(24) हमारी मंज़िल क्या है?

(i) सत्य
(ii) झूठ
(iii) छल
(iv) फरेब

(25) मोहन कैसा लड़का था?

(i) कमज़ोर
(ii) कम बुद्धिवाला
(iii) भला
(iv) शरारती

➢ अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. चिड़िया कहाँ से मोती ले जाती है?
उत्तर- चिड़िया नदियों के उफनते जल से मोती ले जाती है।

प्रश्न 2. हर शनिवार को लेखिका को क्या पीना पड़ता था?
उत्तर- हर शनिवार को लेखिका को ऑलिव ऑयल या कैस्टर ऑयल पीना पड़ता था।

प्रश्न 3. लेखिको को सप्ताह में कितनी बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी?
उत्तर- लेखिका को सप्ताह में एक बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी।

प्रश्न-4. केशव अंडों को देखने के लिए कार्निस तक कैसे पहुँचा था?
उत्तर - केशव अंडों देखने के लिए कार्निस तक स्टूल की मदद से पहुँचा था।

प्रश्न-5 चिड़िया ने अंडे कहाँ दिए थे?
उत्तर - चिड़िया ने अंडे कार्निस पर दिए थे।

प्रश्न 6. लड़की चाँद के घटने बढ़ने का क्या कारण बताती है?
उत्तर- लड़की कहती है कि चाँद किसी बीमारी से ग्रस्त होने के कारण घटता-बढ़ता है।

प्रश्न 7. अब तक दुनिया में कितनी पुस्तकें छप चुकी हैं?
उत्तर- दुनिया में अब तक करोड़ों पुस्तकें छप चुकी हैं।

प्रश्न 8. मनुष्य से पहले इस धरती पर किसका राज्य रहा?
उत्तर- धरती पर करोड़ों साल तक केवल जानवरों और वनस्पतियों का राज्य रहा।

प्रश्न 9. सुरंगनुमा रास्ते का प्रयोग कौन करते थे?
उत्तर- सुरंगनुमा रास्ता सभी के लिए खुला नहीं था। इसका प्रयोग कुछ लोग ही कर सकते थे। यह रास्ता केवल उन लोगों के लिए खुला था जो इस रास्ते से होते हुए काम पर जाया करते थे।

प्रश्न 10. मंगल ग्रह के लोगों के लिए अब अंतरिक्ष यान छोड़ना असंभव क्यों है?
उत्तर- मंगल ग्रह के लोगों के लिए यान छोड़ना असंभव है, क्योंकि उसके लिए आवश्यक मात्रा में ऊर्जा उपलब्ध नहीं है।

प्रश्न 11. इंसान चाहे तो क्या कर सकता है?
उत्तर- इंसान चाहे तो चट्टानों में भी रास्ता निकाल सकता है।

प्रश्न 12. यह गीत किसको संबोधित है?
उत्तर- यह गीत देशवासियों को संबोधित है।

प्रश्न 13. मोहन ने क्या बहाना बनाया?
उत्तर- मोहन ने स्कूल न जाने के लिए बहाना बनाया कि उसके पेट में ऐसे-ऐसे' दर्द हो रहा है।

प्रश्न 14. क्या मोहन के पेट में सचमुच दर्द था?
उत्तर- नहीं, मोहन के पेट में कोई दर्द नहीं था। वह केवल बहाना कर रहा था।

प्रश्न 15.अनाज के दाने किससे भरे हुए हैं?
उत्तर- अनाज के दाने दूध से भरे हुए हैं।

प्रश्न16. चिड़िया का स्वभाव कैसा है?
उत्तर-   चिड़िया का स्वभाव संतोषी है।

प्रश्न-17 यकायक श्यामा की नींद कब खुली?
उत्तर - यकायक श्यामा की नींद चार बजे खुली।
प्रश्न-18 श्यामा भाई से बार - बार क्या आग्रह कर रही थी?
उत्तर - श्यामा भाई से बार - बार अंडे दिखाने के लिए आग्रह कर रही थी।
प्रश्न-19 चाँद की पोशाक की क्या विशेषता है?
उत्तर- आकाश के चारों तरफ फैली हुई है।
प्रश्न 20. कवि के अनुसार चाँद को क्या बीमारी है?
उत्तर- तिरछे रहने की।
प्रश्न 21. मनुष्य से पहले इस धरती पर किसका राज्य रहा?
उत्तर- धरती पर करोड़ों साल तक केवल जानवरों और वनस्पतियों का राज्य रहा।
प्रश्न 22. सूर्य का चित्र किसका द्योतक बन गया?
उत्तर- आगे चलकर सूर्य का चित्र 'ताप' या 'धूप' का द्योतक बन गया।
प्रश्न 23. मंगल ग्रह के लोगों के लिए अब अंतरिक्ष यान छोड़ना असंभव क्यों है?
उत्तर- मंगल ग्रह के लोगों के लिए यान छोड़ना असंभव है, क्योंकि उसके लिए आवश्यक मात्रा में ऊर्जा उपलब्ध नहीं है।
प्रश्न 24. "गैरों' के लिए हमने क्या किया है?
उत्तर- 'गैरों' के लिए हमने अपनी सुख-सुविधाओं की परवाह न करके उनके कार्यों को पूरा किया है।
प्रश्न 25. हमारा लक्ष्य क्या है?
उत्तर- हमारा लक्ष्य सत्य की प्राप्ति है। हमें मिल-जुलकर उन्नति के रास्ते पर चलना चाहिए।
प्रश्न 26. वैद्य जी को बुलाकर कौन लाया?
उत्तर- मोहन के पड़ोसी वैद्य जी को बुलाकर लाए थे।

➢ लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 . चिड़िया के माध्यम से कवि हमें क्या संदेश देना चाहते हैं?
उत्तर-कवि चिड़िया के माध्यम से खुशी से जीने का संदेश हमें देते हैं। चिड़िया के माध्यम से हमें सीख मिलती है कि हमें थोड़े में ही संतोष करना चाहिए। इसके साथ ही कवि हमें बताते हैं कि विपरीत परिस्थितियों में भी हमें साहस नहीं खोना चाहिए। हमें अपनी क्षमता को भी पहचानना चाहिए।
प्रश्न 2. टोपी के संबंध में लेखिका क्या सोचती थी?
उत्तर- लेखिका बचपन के दिनों में सिर पर टोपी लगाना पसंद करती थी। उनके पास कई रंगों की टोपियाँ थीं।उनका कहना है कि सिर पर हिमाचली टोपी पहनना आसान था जबकि सिर पर दुपट्टा रखना थोड़ा कठिन काम।
प्रश्न 3."हमको बुद्धू ही निरा समझा है" कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?
उत्तर:- "हमको बुद्धू ही निरा समझा है" कहकर लड़की कहना चाहती है कि उसे पता है कि चाँद को कोई बीमारी है जो ठीक होने का नाम नहीं ले रही है। इस बीमारी के कारण कभी वे घटते जाते हैं तो कभी बढ़ते-बढ़ते इतने बढ़ते है कि पूरे गोल हो जाते हैं।
प्रश्न 4. अक्षरों की खोज का सिलसिला कब और कैसे शुरू हुआ?
उत्तर- अक्षरों की खोज का सिलसिला लगभग छह हज़ार साल पहले शुरू हुआ। अक्षर बनाने से पहले मनुष्य अपने भाव पशु, पक्षियों और आदमियों के चित्रों के माध्यम से प्रकट करता था।

प्रश्न 5.अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों भेजा था?

उत्तर- अंतरिक्ष यान को 'नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' यानी नासा ने भेजा था। नासा के वैज्ञानिक मंगल ग्रह की मिट्टी का अध्ययन करना चाहते थे। वे इस अध्ययन द्वारा यह पता लगाना चाहते थे कि क्या मंगल ग्रह पर पृथ्वी की तरह के जीव रहते हैं या नहीं। इसी उद्देश्य से 'नासा' ने अंतरिक्ष यान भेजा था।

प्रश्न 6. क्या बिना सहयोग के आगे बढ़ा जा सकता है?

उत्तर- बिना किसी के सहयोग के अकेले आगे बढ़ना कठिन कार्य है। जीवन में हर पल पर हमें किसी न किसी के मदद की आवश्यकता होती है। इसका समाधान हमारे जीवन में कई लोगों के सहयोग एवं मार्गदर्शन से होता है। अतः बिना सहयोग के आगे बढ़ना असंभव-सा लगता है।

प्रश्न 7. वैद्य जी मोहन को क्या बीमारी बताते हैं? वह उसे क्या दवा देते हैं?

उत्तर-वैद्य जी मोहन के पेट-दर्द का कारण बताते हैं वात का प्रकोप है, कब्ज़ है। पेट साफ़ नहीं हुआ है। मल रुक जाने से वायु बढ़ गई है। वह मोहन को दवा की पुड़िया हर आधे-आधे घंटे बाद गरम पानी से लेने को कहते हैं।

प्रश्न 8. मोहन की हालत देख माँ क्यों अधिक परेशान थी?

उत्तर- मोहन की हालत देखकर मोहन की माँ ने मोहन को हींग, चूरन, पिपरमेंट आदि दिया था, पर मोहन ठीक नहीं हुआ था। वह बार-बार कहता था कि उसके पेट में ऐसे-ऐसे हो रहा है। माँ उसकी हालत देखकर परेशान थी क्योंकि मोहन को क्या हो रहा है, यह पता नहीं चल रहा था। उसने 'ऐसे-ऐसे' की बीमारी का नाम न सुना था। वह सोच में पड़ गई थी कि उसे कोई नई बीमारी तो नहीं हो गई है इसीलिए वह मोहन की हालत देखकर परेशान थी।

प्रश्न 9. छोटू के सुरंग में प्रवेश करते ही क्या हुआ?

उत्तर- उसके प्रवेश करते ही पहले निरीक्षक यंत्र में संदेहास्पद स्थिति दर्शाने वाली हरकत हुई, दूसरे यंत्र ने उसकी तस्वीर खींच ली और सूचना दे दी गई।

प्रश्न 10. टोपी के संबंध में लेखिका क्या सोचती थी?

उत्तर- लेखिका बचपन के दिनों में सिर पर टोपी लगाना पसंद करती थी। उनके पास कई रंगों की टोपियाँ थीं।उनका कहना है कि सिर पर हिमाचली टोपी पहनना आसान था जबकि सिर पर दुपट्टा रखना थोड़ा कठिन काम।

प्रश्न 11. कविता के आधार पर चिड़िया के स्वभाव का वर्णन कीजिए।

उत्तर- इस कविता में नीले पंखोंवाली एक छोटी-सी चिड़िया का वर्णन है। इस चिड़िया का स्वभाव संतोषी है। थोड़े से दाने इसके लिए पर्याप्त हैं। यह मुँह बोली है। यह एकांत में उमंग से गाती है। यह गरबीली भी है।इसे अपने साहस और हिम्मत पर गर्व है।

➢ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 कवि ने चिड़िया को छोटी,संतोषी,मुँहबोली और गरबीली चिड़िया क्यों कहा है?

उत्तर - चिड़िया छोटे आकार की थी और किसी भी बात को बोलने से नहीं झिझकती है इसलिए कवि ने उसे छोटी और मुँह बोली कहा है। वह संतोषी स्वभाव की है।अतः कवि उसे संतोषी कहता है।चिड़िया को अपने कार्यों पर गर्व है क्यों कि वह नदी के बीच से पानी पीने जैसा कठिन कार्य सफलतापूर्वक कर जाती है।यही कारण है कि कवि ने चिड़िया को गरबीली कहा है।

प्रश्न 2 लेखिका बचपन में कैसी पोशाक पहना करती थी?

उत्तर- बचपन में लेखिका रंग-बिरंगे कपड़े पहनती थी। उन्होंने पिछले दशकों में क्रमशः अनेक प्रकार के पहनावे बदले हैं। लेखिका पहले फ्रॉक उसके बाद निकर-वॉकर, स्कर्ट, लहँगे पहनती थी। उन दिनों फ्रॉक के ऊपर की जेब में रूमाल और बालों में इतराते रंग-बिरंगे रिबन का चलन था। लेखिका तीन तरह की फ्रॉक इस्तेमाल किया करती थी। एक नीली पीली धारीवाला फ्रॉक था जिसका कॉलर गोल होता था। दूसरा हलके

गुलाबी रंग का बारीक चुन्नटवाला घेरदार फ्रॉक था, जिसमें गुलाबी फ्रिल लगी होती थी। लेमन कलर के बड़े प्लेटों वाले गर्म फ्रॉक का जिक्र करती हैं, जिसके नीचे फ़र टॅकी थी।

प्रश्न 3 केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना - पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?

उत्तर - केशव ने देखा, कार्निस पर थोड़े तिनके बिछे हुए हैं और उन पर तीन अंडे पड़े हैं। उनकी हिफ़ाजत के लिए उसने चिथड़े मँगाकर उसकी गद्दी बनाई और उसे तिनकों पर बिछाकर तीनों अंडे धीरे से उस पर रख दिए। उनको धूप से बचाने के लिए टोकरी को एक टहनी से टिकाकर उन पर छाया की। टोकरी के नीचे दाना पानी भी रख दिया जिससे चिड़िया को अंडो से दूर न जाना पड़े।

प्रश्न 4 कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की?

उत्तर- कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने अंतरिक्ष यान क्रमांक-एक देखा। उस यान से एक यांत्रिक हाथ बाहर निकल रहा था। हर पल उसकी लंबाई बढ़ती जा रही थी। छोटू का पूरा ध्यान कॉन्सोल-पैनल पर था जिस पर कई बटन लगे हुए थे। यहीं लगे लाल बटन को छोटू दबाना चाहता था। अंत में उसने अपनी इच्छा नहीं रोक पाई। उसने उसका लाल बटन दबा ही दिया। बटन दबते ही खतरे ही घंटी बज उठी। अपनी इस गलती पर उसने अपने पिता से एक थप्पड़ भी खाया क्योंकि उसके बटन दबाने से अंतरिक्ष यान की क्रमांक-एक का यांत्रिक हाथ बेकार हो गया।

प्रश्न 5 सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया'-साहिर ने ऐसा क्यों कहा है?

उत्तर- साहिर ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि एक साथ मिलकर काम करने से बड़ी से बड़ी बाधाओं में भी रास्ता निकल आता है, यानी काम आसान हो जाता है। साहसी व्यक्ति सभी बाधाओं पर आसानी से विजय पा लेता है क्योंकि एकता और संगठन में शक्ति होती है जिसके बल पर वह पर्वत और सागर को भी पार कर लेता है।

प्रश्न 6 गीत में सीने और बाँहों को फ़ौलादी क्यों कहा गया है?

उत्तर- सीने और बाँह को फ़ौलादी इसलिए कहा गया है क्योंकि हमारे इरादे मजबूत हैं। हमारे बाजुओं में आपार शक्ति है। हम ताकतवर हैं। हम बलवान हैं। हमारी बाँहें फ़ौलादी इसलिए भी हैं कि इसमें असीम कार्य क्षमता का पता चलता है। हमारी बाजुएँ काफ़ी शक्तिशाली भी हैं।

रामायण

प्रश्न-1राजा दशरथ के कुल गुरु कौन थे?

उत्तर- राजा दशरथ के कुल गुरु महर्षि वशिष्ठ थे ।

प्रश्न-2 रघुकुल की क्या रिति थी?

उत्तर - रघुकुल की रिति थी कि वचन का पालन प्राण देकर भी करना चाहिए ।

प्रश्न-3 यज्ञ में किन्हें आमंत्रित किया गया?

उत्तर - यज्ञ में अनेक राजाओं और ऋषि मुनियो को आमंत्रित किया गया ।

प्रश्न-4 चिड़ियों के झूण्ड कहाँ जा रहे थे ?

उत्तर - चिड़ियों के झूण्ड अपने बसेरे की ओर लौट रहे थे ।

प्रश्न-5 सुंदर वन का नाम ताड़का वन कैसे पड़ा ?

उत्तर - ताड़का का डर सुंदर वन में इतना था कि सुंदर वन का नाम ताड़का वन पड़ गया था ।

प्रश्न-6 मारीच क्यों क्रोधित था ?

उत्तर - मारीच यज्ञ के अलावा इस बात से क्रोधित था कि राम- लक्ष्मण ने उसकी मां को मारा था ।

प्रश्न-7 मंथरा क्यों जलभुन गई?

उत्तर - मंथरा राम के राज्याभिषेक के बारे में सुन कर जलभुन गई ।

प्रश्न-8 रानी कैकेयी के मन में क्या प्रश्न था?

उत्तर - रानी कैकेयी के मन में प्रश्न था कि वह राजा दशरथ से दो वरदान के बारे में कैसे कहे ।

प्रश्न-9 गुरु वशिष्ठ की आँखों में नींद क्यों नहीं थी?

उत्तर - गुरु वशिष्ठ राम की राज्याभिषेक के लिए उत्साहित थे इसलिए उनकी आँखों में नींद नहीं थी ।

प्रश्न-10 राम ने सीता से क्या आग्रह किया?

उत्तर - राम ने सीता से अपने माता पिता की सेवा करने का आग्रह किया ।

प्रश्न-11 वनवासियों ने रात कहाँ बिताई?

उत्तर- वनवासियों ने रात तमसा नदी के तट पर बिताई ।

प्रश्न-12 गुरु वशिष्ठ की आँखों में नींद क्यों नहीं थी?

उत्तर - गुरु वशिष्ठ राम की राज्याभिषेक के लिए उत्साहित थे इसलिए उनकी आँखों में नींद नहीं थी ।

प्रश्न-13 भरत ने सपने में क्या देखा?

उत्तर - भरत ने सपने में देखा कि समुद्र सूख गया । चन्द्रमा धरती पर गिर पड़े । वृक्ष सूख गए । राजा दशरथ को एक राक्षसी खींचकर ले जा रही है । वे रथ पर बैठे हैं । रथ गधे खींच रहें हैं ।

प्रश्न-14 भरत क्या सुनते ही शोक में डूब गए?

उत्तर- यह सुनते ही भरत शोक में डूब गए कि उनके पिता राजा दशरथ का निधन हो गया है ।

प्रश्न-15 भरत को पहाड़ी पर किसकी छवि दिखी?

उत्तर- भरत को पहाड़ी पर राम की छवि दिखी ।

प्रश्न- 16 भरत को अयोध्या पहले जैसी क्यों नहीं लगी?

उत्तर - भरत को अयोध्या पहले जैसी इसलिए नहीं लगी क्योंकि चारों तरफ शांति थी ।

प्रश्न-17 लक्ष्मण ने जटायु को क्या समझा?

उत्तर - लक्ष्मण ने जटायु को मायावी राक्षस समझा ।

प्रश्न-18 मायावी मारीच ने किसका रूप धारण किया?

उत्तर - मायावी मारीच ने हिरण का रूप धारण किया ।

प्रश्न-19 शूर्पणखा ने अपना क्या परिचय दिया?

उत्तर- शूर्पणखा ने बताया कि वह रावण और कुंभकर्ण की बहन है और अविवाहित है ।

प्रश्न-20 रावण ने किसका रूप धारण किया?

उत्तर - रावण ने तपस्वी का रूप धारण किया ।

(लेखन-विभाग)

अनुच्छेद

➢ वन और हमारा पर्यावरण

वन और पर्यावरण का गहरा संबंध है। ये सचमुच जीवनदायक हैं। ये वर्षा लाने में सहायक होते है और धरती की उपजाऊ-शक्ति को बढ़ाती है। वन ही वर्षा के धारासार जल को अपने भीतर सोखकर बाढ़ का खतरा रोकती है। यही रूका हुआ जल धीरें-धीरें सारे पर्यावरण में पुनः चला जाता है। वनों की कृपा से ही भूमि का कटाव रूकता है। सूखा कम पड़ता है तथा रेगिस्तान का फैलाव रूकता है। वन हमारे द्वारा छोड़ी गई गंदी साँसों को कार्बन डाइआक्साइड को भोजन के रूप में ले लेते हैं और बदले में हमें जीवनदायी आक्सीजन प्रदान करते है। इन्हीं जगलो में असंख्य, अलभ्य जीवन-जंतु निवास करते हैं जिनकी कृपा से प्राकृतिक संतुलन बना रहता हे। आज शहरां में लगातार ध्वनि-प्रदूषण बढ़ रहा है। वन और वृक्ष ध्वनि-प्रदूषण भी रोकते है। यदि शहरों में उचित अनुपात में पेड़ लगा दिए जाएँ तो प्रदूषण की भंयकर समस्या का समाधान हो सकता है। परमाणु उर्जा के खतरे को तथा अत्यधिक

ताप को रोकने का सशक्त उपाय भी वनों के पास है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल स्त्रोंतो के भंडार है। इनमें ऐसी दुर्लभ वनस्पतियाँ सुरक्षित रहती है जो सारे जग को स्वास्थय प्रदान करती हे। गंगा-जल की पवित्रता का कारण उसमें मिली वन्य औषधियाँ ही है। इसके अतिरिक्त वन हमें लकड़ी, फूल-पत्ती, खाद्य पदार्थं, गोंद तथा अन्य सामान प्रदान करते है। र्भाग्य से आज भारतवर्ष में केवल 23 प्रशित वन रह गए है। अंधाधुंध कटाई के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। वनों का संतुलन वनाए रखने के लिए 10 प्रतिशत और अधिक वनों की आवश्यकता हे। जैसे-जैसे उद्योगो की संख्या बढ़ती जा रही हे, वाहन बढ़ते जा रहे हैं, वैसे-वैसे वनों की आवश्यकता और अघिक बढ़ती जाएगी।

➢ जन्माष्टमी पर अनुच्छेद

जन्माष्टमी का पावन पर्व योगीराज श्रीकृष्ण के जन्म देशी महीने की भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। श्री कृष्ण मथुरा राज्य के सामंत वासुदेव-देवकी की आठवीं संतान थे। एक आकाशवाणी सुनकर कि वासुदेव-देवकी के गर्भ से जन्म लेने वाला बालक ही अत्याचारी और नृशंस राजकुमार कंस की मृत्यु का कारण बनेगा, भयभीत कंस ने उन्हें काल-कोठरी में बंद कर दिया। वहाँ जन्म लेने वाली देवकी की सात संतानों को तो कंस ने मार दिया, लेकिन आठवीं संतान को अपने शुभचिंतकों की सहायता से वासुदेव ने अपने परम मित्र नंद के पास पहुंचा दिया। वहीं नंद, यशोदा की गोद में पला-बढ़ा और बाद में मथुरा पहुँच कर कंस का वध करके अपने माता-पिता और नाना उग्रसेन को कारागार से मुक्त करवाया।सो जन्माष्टमी का पावन पर्व इन्हीं की पवित्र स्मृति में, इनके किए कार्यों, प्रतिष्ठापित आदर्शों आदि के प्रति श्रद्धांजलि समर्पित करने के लिए प्रायः सारे भारतवर्ष के हिंदू-समाज में मनाया जाता है। धार्मिक-आध्यात्मिक प्रवृत्ति के लोग अपने उद्धार और योगीराज श्रीकृष्ण की लीलाओं का शाश्वत अंग बने रहने के लिए सखा या सखी भाव से इनकी पूजा-उपासना किया करते हैं।इसके लिए वे राधा कृष्ण की मूर्तियों का श्रृंगार कर, उन्हें छप्पन प्रकार के भोग लगाकर उनके सामने भजन-कीर्तन, नृत्य-गायन किया करते हैं। सांस्कृतिक द्दष्टि से श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से जिस गीता का प्रवचन दिया था, उसका पाठ किया करते हैं। धार्मिक प्रवृत्ति और भक्ति-भाव से भरे लोग इस दिन व्रत किया करते हैं। सारे दिन पूजा-पाठ कर अर्धरात्रि के बाद लगभग रात बारह बजे के आस पास जब बालकृष्ण का जन्म हुआ था, फलाहार खाकर अपना उपवास तोड़ते हैं और लोगों में प्रसाद बाँटते हैं।

➢ मित्रता

मित्रता अनमोल धन है। इसकी तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती है। हीरे-मोती या सोने-चाँदी से भी नहीं। मैत्री की महिमा बहुत बड़ी है। सच्चा मित्र सुख और दुख में समान भाव से मैत्री निभाता है। जो केवल सुख में साथ होता है, उसे सच्चा मित्र नहीं कहा जा सकता। साथ-साथ खाना-पीना, सैर, पिकनिक का आनंद लेना सच्ची मित्रता का लक्षण नहीं। सच्चा मित्र तो दीर्घ काल के अनुभव से ही बनता है। सच्ची मित्रता की बस एक पहचान है और वह है-विचारों की एकता। विचारों की एकता ही इसे दिनोंदिन प्रगाढ़ करती है। सच्चा मित्र बड़ा महत्त्वपूर्ण होता है।जहाँ थाह न लगे, वही बाँह बढ़ाकर उबार लेता है। मित्रता करना तो आसान है, लेकिन निभाना बहुत ही मुश्किल। आज मित्रता का दुरुपयोग होने लगा है। लोग अपने सीमित स्वार्थों की पूर्ति के लिए मित्रता का ढोंग रचते हैं। मित्र जो केवल काम निकालना जानते हैं, जो केवल सख के साथी हैं और जो वक्त पड़ने पर बहाना बनाकर किनारे हो जाते हैं. वे मित्रता को कलंकित करते हैं। मित्रता जीवन का सर्वश्रेष्ठ अनुभव है।यह एक ऐसा मोती है, जिसे गहरे सागर में डूबकर ही पाया जा सकता है। मित्रता की कीमत केवल मित्रता ही है। सच्ची मित्रता जीवन का वरदान है। यह आसानी से नहीं मिलती। एक सच्चा मित्र मिलना सौभाग्य की बात होती है। सच्चा मित्र मनुष्य की सोई किस्मत को जगा सकता है और भटके को सही राह दिखा सकता है।

पत्र लेखन

➢ अपने मुहल्ले के पोस्टमैन की कार्यशैली का वर्णन करते हुए पोस्टमास्टर को शिकायती पत्र लिखिए।

15, दूंगाधारा,
अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)।
दिनांक 13-4-2021
सेवा में,
पोस्ट मास्टर,
उप-डाकघर पोखर खाली, अल्मोड़ा।
महोदय,
मैं आपका ध्यान मुहल्ला दूंगाधारा के पोस्टमैन की कर्तव्य-विमुखता की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। इस मुहल्ले के निवासियों की शिकायत है कि यहाँ डाक कभी भी समय से नहीं बँटती है। अतः यहाँ के निवासियों को बड़ी असुविधा है। आपसे निवेदन है कि इस मामले की जानकारी प्राप्त करके उचित कार्यवाही करने की कृपा करें, ताकि इस समस्या का निराकरण हो सके।
सधन्यवाद!
भवदीय

➢ प्रधानाध्यापक को अवकाश के लिए पत्र |

सेवा में,
ए० बी० एस० स्कूल
दिल्ली
विषय – प्रधानाचार्य को अवकाश के लिए पत्र|
आदरणीय महोदय,
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके स्कूल के कक्षा सातवीं का छात्र हूँ। मैं कल शाम से बुखार से पीड़ित हूँ इसलिए स्कूल आने में पूरी तरह से असमर्थ हूँ। डॉक्टर ने मुझे अगले तीन – दिन तक विस्तार पर आराम करने के लिए कहा है। मैं अगले तीन – दिन तक स्कूल में अनुपस्थित रहूंगा। कृपा मुझे क्षमा करें और अगले तीन – दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।
धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
संदीप कुमार
कक्षा – 6
रूल नम्बर – 1

➢ अपने मित्र को अपने जन्म दिन पर आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

'भारद्वाज निवास'
B-4/13
डी०एल०एफ० अंकुर विहार
लोनी गाजियाबाद
दिनांक ...
प्रिय मित्र अंकित
मधुर स्नेह
मैं यहाँ सकुशल हूँ। आशा करता हूँ कि तुम भी सपरिवार सकुशल होगे। तुम्हें याद दिलाने की आवश्यकता

नहीं है कि मेरा जन्मदिन 03 दिसंबर को आता है। हर वर्ष की तरह इस बार भी मैं अपना जन्म दिन धूमधाम से मना रहा हूँ। मैं तुम्हें अपने जन्म दिन पर निमंत्रित करता हूँ। मैंने अपने सभी मित्रों को बुलाया है। तुम्हें भी अवश्य आना है।कार्यक्रम गत वर्ष की भाँति ही रहेगा। प्रातः 10:00 बजे हवन, दोपहर का भोजन तथा सायंकाल 6:00 बजे केक काटने की रस्म एवं गीत-संगीत का कार्यक्रम।मुझे आशा एवं विश्वास है कि तुम नियत समय पर पहुँच जाओगे।

धन्यवाद
तुम्हारा मित्र
आयुष रंजन

संवाद लेखन

➢ टिकट बाबू और यात्री में संवाद

टिकट बाबू- आप अपना टिकट दिखाइए।

यात्री- यह रहा टिकट !

टिकट बाबू- यह टिकट तो शोलापुर तक का ही है। आप तो उससे एक स्टेशन आगे आ चुके हैं।

यात्री- एक स्टेशन आगे? तो क्या शोलापुर पीछे छूट गया?

टिकट बाबू- जी हाँ, शोलापुर तो पीछे छूट गया।

यात्री- यह तो बड़ी गड़बड़ हो गई अब क्या होगा?

टिकट बाबू- आप कर क्या रहे थे?

यात्री- जी! मेरी आँख लग गई थी।

टिकट बाबू- आपको पहले से सचेत रहना चाहिए। कहीं ऐसी भी गलती होती हैं?

यात्री- असल में मैं इस रास्ते में अनजान हूँ। मुझे पता नहीं था कि शोलापुर किस स्टेशन के बाद है।

टिकट बाबू- ठीक है। आप अगले स्टेशन पर उतर जाइए और आइन्दा इस बात का ध्यान रखिएगा। वरना आपको फाइन हो सकती है।

यात्री- भला मैं ऐसा क्यों करूँगा? इससे तो मुझे ही परेशानी होगी।

➢ पढ़ाई को लेकर तीन बच्चों के बीच संवाद लेखन

नवनीत: राजीव, अगर तुम भी पढ़ाई पर ध्यान देते और मेहनत करते तो तुम्हें इस तरह लज्जित न होना पड़ता।
राजीव: तुम ठीक कहते हो नवनीत। पर मेरा मन पुस्तकों में नहीं लगता। जो पढ़ता हूँ, वह याद ही नहीं हो पाता है।
सौरभ: जब मन इधर-उधर भटकता है, ध्यान किसी एक चीज़ पर केंद्रित नहीं होता, तब ऐसा ही होता है, राजीव।
राजीव: पर आज मैंने यह देख लिया कि मेहनत करने वाले बच्चों का कितना सम्मान होता है। उन्हें कितना महत्त्व दिया जाता है, विद्यालय में भी और घर पर भी।
नवनीत: इसके बाद भी तुम मन लगाकर पढ़ने की कोशिश नहीं करते राजीव देखो, नहीं पढ़ोगे तो बड़े आदमी नहीं बन पाओगे।
राजीव: मैं यह बात अच्छी तरह समझता हूँ। प्रधानाचार्य जी ने तुम दोनों की प्रशंसा में बहुत कुछ कहा।
सौरभ: इस बात से शिक्षा लो। इस वर्ष जी लगाकर मेहनत करो ताकि तुम भी वही सम्मान पा सको।

नवनीत: हमें दुख है कि तुम उत्तीर्ण नहीं हो सके। हम लोगों से तुम्हारा साथ छूट रहा है। पर हमारी शुभकामनाएँ तुम्हारे साथ हैं। तुम भी पढ़-लिखकर बड़े आदमी बनो, बहुत बड़े विद्वान बनो और सम्मान प्राप्त करो।

सौरभ: आज से प्रण कर लो कि सारी बातें छोड़कर पढ़ाई में ध्यान लगाओगे। यह बात गाँठ बाँध लो कि जीवन में शिक्षा ही तुम्हारे काम आएगी, कोई और चीज़ काम आने वाली नहीं है।

राजीव: (वचन देते हुए) मैं संकल्प करता हूँ कि एक दिन बहुत बड़ा आदमी बनूँगा, चाहे इसके लिए मुझे कुछ भी क्यों न करना पड़े।

➢ अनुशासन के महत्व पर पिता और पुत्र के बीच संवाद लेखन

राहुल: देखो, राघव! तुमने बिना पूछे आदित्य के बस्ते में से पुस्तक ले ली। यह बहुत बुरी बात है।

राघव: इसमें क्या हो गया?

राहुल: यह बात गलत है-किसी की कोई वस्तु उससे पूछे बिना लेना ठीक नहीं। इसको अनुशासनहीनता कहते हैं।

निखिल: पापा अनुशासनहीनता किसे कहते हैं?

राहल: किसी नियंत्रण, आज्ञा और बंधन में रहना ही अनुशासन है। अनुशासन में रहने के लिए बुद्धि और विवेक की आवश्यकता है।

ऐश्वर्या: अनुशासन में रहने के बहुत लाभ होंगे?

राहुल: हाँ बेटी। अनुशासन हमारे जीवन को सार्थक और प्रगतिशील बनाता है। विद्यार्थी को संयम और नियम में रहना अनुशासन ही सिखाता है। जीवन को सफल बनाने में यह बहुत सहायक है।

राघव: क्या अनुशासन जीवन में चरित्र को उज्ज्वल बनाने में सहायक होता है?

राहुल: बिल्कुल, बेटे! चरित्र-निर्माण की नींव अनुशासन तो डालता ही है। मानसिक विकास भी इसी के द्वारा विद्यार्थी में ढलता है।

चित्र वर्णन

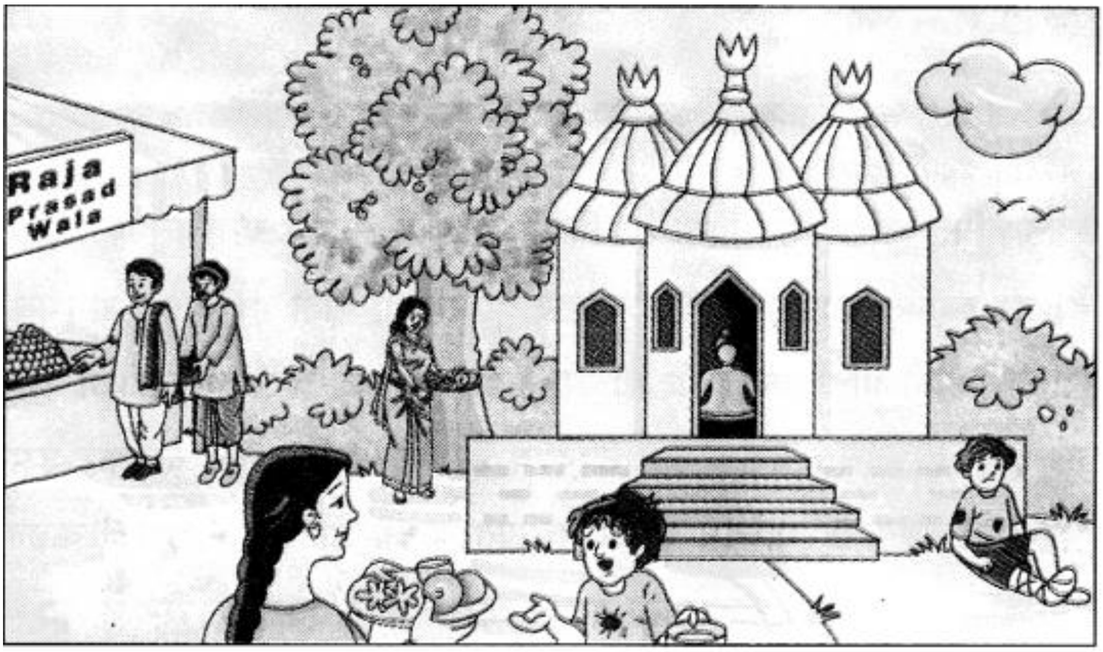

प्रस्तुत चित्र मंदिर का है। मंदिर एक ऐसा स्थान है, जहाँ व्यक्ति श्रद्धाभाव से जाता है और अपने इष्टदेव की पूजा करके मानसिक शांति पाता है। अतः प्रातः काल सभी लोग मंदिर जाते हैं। इस चित्र में एक महिला हाथ में पूजा की थाली लिए मंदिर जा रही है। हिंदू धर्म में वृक्ष की पूजा का विधान है इसलिए प्रत्येक मंदिर के बाहर पीपल या केला का पेड़ एवं तुलसी का पौधा होता है। इस चित्र में भी एक वृक्ष है जिसके सामने खड़े होकर एक महिला पूजा कर रही है। एक बच्चा पूजा के लिए जाती हुई महिला से भिक्षा माँग रहा है उसके एक हाथ में पात्र है और उसने दूसरा हाथ भिक्षा के लिए फैला रखा है। सीढ़ियों के पास एक बच्चा बैठा है, जो कि अपाहिज है। वह मंदिर में आने वाले भक्तों से दया की भीख चाहता है।

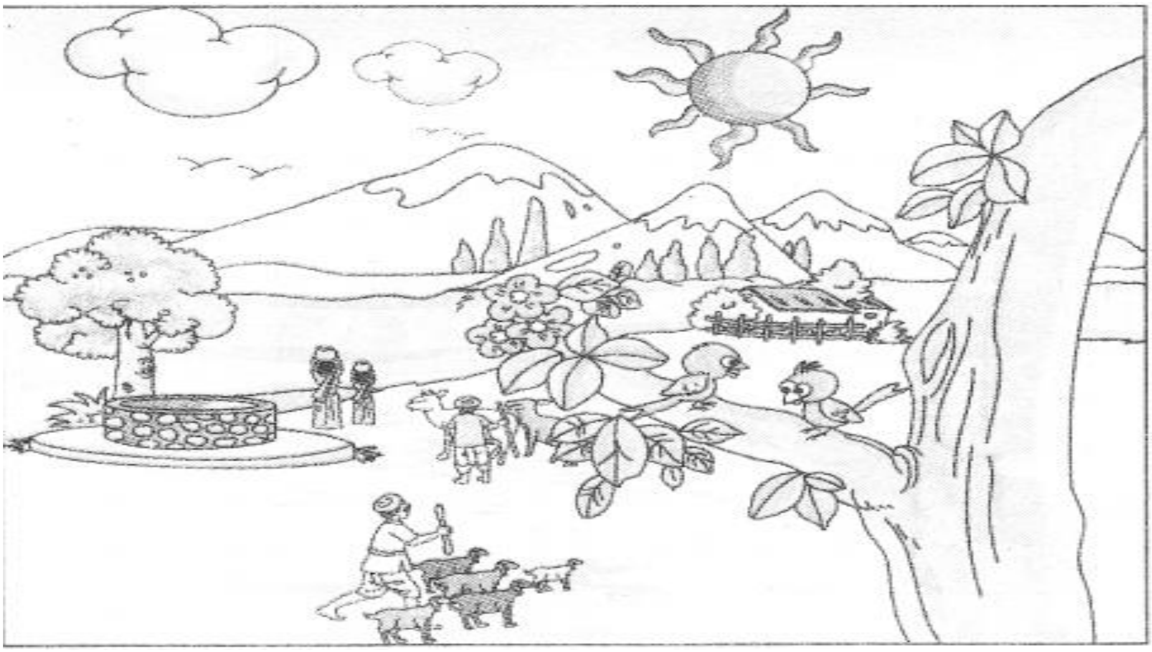

यह दृश्य प्रातःकाल सूर्योदय का है। आसमान का रंग सूर्य की लालिमा लिए हुए एक अनूठी छटा बिखेर रहा है। कुछ पक्षी उड़ रहे हैं कुछ पेड़ की डाल पर बैठे उड़ने की तैयारी में हैं। दो घर दिखाई दे रहे हैं जिनके बाहर सुन्दर फूलों के पौधे हैं। सामने कुआँ है उसके पास एक बड़ा वृक्ष है। दो स्त्रियाँ सिर पर घड़े रखकर कुएँ से पानी लेने जा रही हैं। चरवाहा भेड़ों को चराने के लिए ले जा रहा है। पूरा दृश्य मनमोहक छटा बिखेर रहा है। प्रातःकाल का समय सबसे उत्तम समय माना जाता है। इस समय भ्रमण करने से मनुष्य का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।